खेलों के द्वारा सेवा, सहयोग व समर्पण की भावना का विकास

दिनांक 6 मार्च, 2018 को अग्रवाल महाविद्यालय बल्लबगढ. की 47 वीं दो दिवसीय वार्षिक खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ मुख्य अतिथि महोदय डॉ. देवेन्द्र सिंह ढुल (खेल निदेशक, महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय) ने खेल ध्वज़ फहराकर एवं माँ सरस्वती के आगे दीप प्रज्जवलित करके किया । इस अवसर पर महाविद्यालय प्रबंध समिति के प्रधान श्री देवेन्द्र गुप्ता, प्राचार्य डॉ. कृष्णकान्त गुप्ता, संयोजक डॉ. के.एल. कौशिक एवं वरिष्ठ प्रोफेसरों ने मुख्य अतिथि महोदय और आगंतुक अतिथियों का पुष्प गुच्छ द्वारा स्वागत किया । महाविद्यालय के एन.सी.सी., एन.एस.एस., यूथ रैड़ क्रॉस, रैड रिबन क्लब और स्वच्छता सेनानी समूह सहित खेल प्रतिभागियों ने मार्च पास्ट करते हुए मुख्य अतिथि को सलामी दी । प्राचार्य डॉ. कृष्णकान्त ने महाविद्यालय की संक्षेप में प्रगति आख्या प्रस्तुत की और कहा अग्रवाल विद्या प्रचारिणी सभा के संरक्षण में लगभग सात संस्थानों के अन्दर लगभग 16000 विद्यार्थी पढ. रहे हैं । यह सब सभा के चेयर मैन व महाविद्यालय प्रबन्ध समिती के प्रधान श्री देवेन्द्र गुप्ता और उनकी टीम के कुशल नेतृत्व का परिणाम है । अपने स्वागत भाषण में कहा मुख्य अतिथि के रूप खेल निदेशक श्री देवेन्द्र ढुल जी जिन्होंने कड़ी मेहनत से महर्षि दयानन्द विश्व विद्यालय को खेल के क्षेत्र में वैश्विक स्तर तक पहचान दी और बताया इनके नेतृत्व में शायद ही विश्व का ऐसा कोना बचा हो जहाँ महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय ने खेल के क्षेत्र में परचम ना फहराय हो । खेलकूद समिति के समन्वयक डॉ. के.एल. कौशिक ने महाविद्यालय की खेलकूद की प्रांतीय, राष्ट्रीय

व अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की प्रगति आख्या प्रस्तुत करते हुए बताया कि महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। खिलाड़ी ज्योति पांडे ने समस्त प्रतिभागियों को खेल भावना की शपथ दिलाई। मुख्य अतिथि के सामने प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें 200 मीटर दौड़ (महिला वर्ग) में प्रथम स्थान ज्योति पाँडे एम.ए. अर्थशास्त्र, द्वितीय स्थान प्रीति बी.कॉम तृतीय वर्ष, तृतीय स्थान निधि बांकुरा बी.काम द्वितीय वर्ष ने एवं 800 मीटर (पुरूष वर्ग) में प्रथम स्थान अरबाज़ खान बी.सी.ए. प्रथम वर्ष, जय प्रकाश बी.सी.ए. द्वितीय वर्ष एवं नावेद खान बी.ए. द्वितीय वर्ष ने प्राप्त किया। इसके बाद विभिन्न खेल प्रतियोगिता चार सौ मीटर, दो सौ मीटर, सौ मीटर, गोला फेंक, ऊंची कूद, लम्बी कूद, दौड़, हथौड़ फेंक, ट्रिपल जम्प, तीन हज़ार मीटर की दौड़ का आयोजन किया। कार्यक्रम का मंच संचालन श्रीमती किरण आनन्द एवं सुप्रिया ढ़ाडा ने किया और उनका सहयोग डॉ. सारिका कांजलिया व डॉ. रेनू माहेश्वरी ने किया। कार्यक्रम अध्यक्ष श्री देवेन्द्र गुप्ता जी ने दो दिवसीय खेल प्रतोयोगिता में भाग लेने वाले खिलाड़ियों को बधाई दी और कहा की खिलाड़ी को हर खेल खेल भावना से खेलना चाहिए। खेल ही एक ऐसा साधन है जि एक तरफ मनोरंजन का काम करता है दूसरी तरफ यश और धनार्जन करने का काम करता है। वहीं विद्यार्थी खिल सकता है जो जीवन में खेलता है। जो युवा खेलेगा वही खिलेगा। मुख्य अतिथि ने महाविद्यालय की 47 वीं खेलकूद प्रतियोगिता के सफल आयोजन के लिए प्राचार्य डॉ. कृष्णकान्त गुप्ता व महाविद्यालय के सभी स्टाफ को बधाई दी और कहा कि इस महाविद्यालय

के विद्यार्थी न केवल राज्य स्तर पर बल्कि राष्ट्रीय, अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर भी खेल के क्षेत्र में अपनी प्रतिभा पर परचम फहरा रहे हैं। यह उपल्ब्धि केवल अग्रवाल महाविद्यालय के गौरव की ही नहीं बल्कि विश्वविद्यालय के गौरव की बात है। उन्होंने बताया विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय उपलब्धियों में अग्रवाल महाविद्यलय के प्राचार्य, स्टाफ और विद्यार्थियों की पूरे हरियाणा के महाविद्यालयों में सबसे बड़ी भूमिका रही। उन्होंने खेलों की महता पर प्रकाश ड़ालते हुए कहा जिस देश ने खेलों को महत्व दिया वही देश विश्व पटल पर भौतिक और आध्यात्मिक रूप से समृद्ध होगा। खेल से विद्यार्थी का बहुमुखी विकास होता है स्वस्थ तन में स्वस्थ मन का वास होता है। भाषा और परम्परा के महत्व को बताते हुए कहा जो अपनी मातृभाषा और अपनी माता को मान देगा वही विद्यार्थी जीवन के हर क्षेत्र में मान और समृद्धि पाएगा। खेल ही है जो सेवा, सहयोग और समर्पण की भावना को सिखाता है। हम कितने ही बड़े हो जाएं माता और मातृभाषा को ज़रूर अपनाना चाहिए। समस्त खेल प्रतियोगिताएं खेल शारिरिक शिक्षक श्री नन्द किशोर, डॉ. जगबीर सिंह, श्री नरेन्द्र कुमार के दिशा निर्देशन में हुई। अंग्रेज़ी विभागाध्यक्षा श्रीमती कमल टंडन ने सभी अतिथियों का धन्यवाद यापन किया। इस अवसर पर मुख्य रूप से प्रबंध समिति के उपाध्यक्ष डॉ. वासुदेव गुप्ता, प्रबंध समिति के वरिष्ठ सदस्य एवं समस्त प्रोफेसर उपस्थित थे।